2024

HINDI

(Honours Generic/Regular Course)

Paper : HIN–HG/RC–4016

(हिन्दी गद्य साहित्य)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'तमस' उपन्यास का प्रथम संस्करण कब निकला था?

(ख) 'तमस' उपन्यास में किस समय की कथा का वर्णन है?

(ग) हामिद को मेले के लिए कितने पैसे मिले थे?

(घ) 'तीसरी कसम' कहानी के मुख्य पात्र का नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) गजाधर बाबू की कितनी सन्तानें थीं?

(च) 'परदा' कहानी में परदा किसका प्रतीक है?

(छ) 'कुटज' किस प्रकार का निबंध है?

(ज) लोभ किसका मूल है?

(झ) दुखी कौन है?

(ञ) 'वसन्त आ गया पर कोई उत्कण्ठा नहीं' शीर्षक निबंध-संग्रह का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) अमीना क्यों उदास थी?

(ख) हीरामन की तीन कसमें क्या-क्या थीं?

(ग) 'कुटज' शब्द की उत्पत्ति किस शब्द से हुई है, और इसका अर्थ क्या है?

(घ) निबन्धकार विद्यानिवास मिश्र वसन्त से क्यों डर रहे हैं?

(ङ) रामचंद्र शुक्ल ने 'लोभ और प्रीति' शीर्षक निबंध में इच्छा के किन दो रूपों की बात की है? वे क्या-क्या हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'तमस' उपन्यास की संवाद-योजना पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'तीसरी कसम' कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'लोभ और प्रीति' निबंध की कोई पाँच भाषा-शैलीगत विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'कुटज' किस प्रकार अपनी अपराजेय जीवनी-शक्ति की घोषणा करता है? स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'वापसी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(च) 'वसंत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं' शीर्षक निबंध के केन्द्रीय भाव को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"वसंत का प्रमाण बाहर ढूँढ़ने की जरूरत नहीं, रागाकुल चित्त ही वसंत का अधिष्ठान है, इसलिए कोयल बोले न बोले, भोर में अलसायी दखिनैया बहे न बहे, आम में बौर आये, न आये, महुआ के कूचे द्रवें न द्रवें, कुछ अंतर नहीं पड़ता चित्त अकुला पड़े बस उसी क्षण वसंत का आविर्भाव हो गया।"

अथवा

और अब एक विचित्र बात हुई। हामिद के इस चिमटे से भी विचित्र। बच्चे हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था। बुढ़िया अमीना बालिका अमीना बन गई। वह रोने लगी। दामन फैलाकर हामिद को दुआएँ देती जाती थी और आँसू की बड़ी-बड़ी बूँदें गिराती जाती थी। हामिद इसका रहस्य क्या समझता!!

(ख) 'तमस' उपन्यास की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

अथवा

कथ्य की दृष्टि से 'तमस' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'परता' कहानी की मूल समस्या पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'वापसी' कहानी में चित्रित बदलते मध्यवर्गीय पारिवारिक मूल्यों पर विचार कीजिए।

(घ) 'लोभ और प्रीति' निबंध के विचार-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कुटज' निबंध के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध-कला का मूल्यांकन कीजिए।

★★★